हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न पत्र–रीतिकालीन काव्य

Time Allowed : Three Hours **Maximum marks : 100**

प्रश्नों का उत्तर 500 शब्दों की सीमा में होना चाहिए। पृथक् उत्तर-पुस्तिका (सप्लीमेंटरी कॉपी) नहीं मिलेगी।

1. निम्नलिखित काव्यांशो की सप्रसंग व्याख्या कीजिये:

(क) जेहिं सर मधुमद मरदि महासुर मर्दन कीन्हेउ।
मारेउ कर्कश नर्क, शंख हति शंख जो लीन्हेउ।।
निष्कंटक सुर-कटक कर्‌यो कैटभ-बपु खंड्‌यो।।
खर-दूषण त्रिसिरा कबंध तरु खंड बिहंड्‌यो।
कुंभकरण जेहि संहर्‌यो, पल न प्रतिज्ञा ते टरौं।
तेहि बान प्रान दसकंठ के कंठ दसों खंडित करौं।। 8

अथवा

दु:सह दुराज प्रजानु कौं क्यों न बढ़ै दुख-दद्दु।
अधिक अंधेरो जग करत, मिलमावस रवि-चंदु।।
करौ कुबत जगु कुटिलता तजौं न दीनदयाल।
दुखी होउगे सरल हिय बसत त्रिभंगी-लाल।।
नहि पावस ऋतुराज यह तजि तरवर चित-भूल।
अपतु भएँ बिनु पाइहै क्यों नवदल, फल-फूल।। 8

(ख) पीरी परि देह छीनी राजति सनेह भीनी,
कीनी है अनंग अंग-अंग रंग-बोरी-सी।
नैन पिचकारी ज्यों चल्यौई करै दिनरैन,
बगराए बारनि फिरति झकझोरी-सी।
कहाँ लौं बखानौं घनआनन्द दुहेली दसा,
फागमई भई जान प्यारे वह भोरी-सी।

http://questionpaperesult.com/

Scanned by CamScanner

तिहारे निहारे बिन प्राननि करति होरा,
बिरह अंगारनि मगारि हिय होरी-सी।। 8

अथवा

औचक अगाध सिंधु स्याही को उमड़ि आयो,
तामैं तीनों लोक बूड़ि गये एक संग मैं।
कारे-कारे आखर लिखे जु कारे कागर,
सुन्यारे करि बांचै कौन जांचै चित भंग मैं।
आखिन में तिमिर अमावस को रैनि जिमि
जम्बु रस बुंद जमुना तरंग मैं।
यों ही मन मेरी काम को न रह्यो माई,
स्याम रंग ह्वै करि समानो स्याम रंग मैं।। 8

(ग) देखें छिति अंबर जलै है चारि ओर छोर,
तिन तरवर सब ही को रूप हर्‌यौ है।
महाझर लागे जोति भादव की होति चले,
जलद पवन तन सेक भानौं पर्‌यौ है।
दारुन तरनि तरैं नदी सुख पावैं सब,
सीरी घनछांह चाहिबोई चित धर्‌यौ है।
देखौ चतुराई सेनापति कबिताई की जु,
ग्रीषम विषम वरषा की सम कर्‌यौ है।। 8

अथवा

देखत उंचाई उघरत पाग, सूधी राह
द्यौसहू मैं चढ़ैं तेजी साहस निकेत हैं।
सिवाजी हुकुम तेरो पाय पैदलन सल-
हेरी, परनालो ते वै जीते जनु खेत हैं।।
सावन भादों को भारी कुहू की अंध्यारी चढ़ि,
दुग्ग पर जात मावलीदल सचेत हैं।।
'भूषन' भनत ताकी बात मैं विचारी तेरे,
परताप-रवि की ऊज्यारी गढ़ लेत हैं।। 8

2. "केशवदास को हृदयहीन कहना उनके साथ अन्याय करना है।" इस कथन के पक्ष और विपक्ष में तर्क सहित अपना मत प्रकट कीजिये। 16

अथवा

"बिहारी कल्पना की समाहार शक्ति के साथ-साथ छोटी से छोटी बात को मार्मिक बना देने की कला में सिद्धहस्त हैं।" कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिये। 16

3. रीतिकालीन स्वच्छन्द काव्यधारा में घनानन्द का महत्त्व प्रतिपादित करते हुए उनके काव्य-सौन्दर्य का विवेचन कीजिये। 16

अथवा

देव की काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिये। 16

4. "मतिराम के काव्य में जहाँ जीवन की यथार्थ अनुभूति का निरूपण सहज, स्वाभाविक

http://questionpaperesult.com/

Scanned by CamScanner

रूप में उपलब्ध होता है, वहाँ उनकी भाषा भी तद्नुकूल सरलता, सहजता और मधुरता युक्त दिखाई पड़ती है।'' सोदाहरण समीक्षा कीजिये। 16

अथवा

''नीति और श्रृंगार वृन्द के काव्य के मुख्य विषय हैं।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिये। 16

5. रीतिकाव्य में निरूपित नायिका के लक्षण एवं भेद स्पष्ट कीजिये। 16

अथवा

रीतिकालीन काव्यशास्त्रीय रस सम्प्रदाय की व्याख्या कीजिये एवं उसकी परम्परा का उल्लेख कीजिये। 16

6. रीतिकालीन काव्यधारा की सामान्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। 12

अथवा

रीतिकाल परिस्थितियों का वर्णन कीजिये। 12

http://questionpaperesult.com/

Scanned by CamScanner